LOK SABHA

Friday, 17th May, 1957

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

MEMBER SWORN

Shri Bhadauria (Etawah)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

श्रीलंका में भारतीय

*१०६. श्री श्री नारायण दास :
श्री बी० चं० शर्मा :
श्री रघुनाथ सिंह :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय उद्भव के व्यक्तियों द्वारा श्रीलंका की नागरिकता के लिये दिये गये प्रार्थना-पत्र की वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(ख) अब तक कुल कितने प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जा चुके है, और कितने नामंजूर कर दिये गये हैं ;

वैदेशिक कार्य उपमंत्री (श्रीमती लक्ष्मी मेनन) : (क) १९५६ के बाद के महीनों में श्रीलंका की नागरिकता के लिये अर्जियां निबटाने की रफ्तार काफी बढ़ी है और यह उम्मीद की जाती है कि इस साल अगस्त तक श्रीलंका सरकार यह काम पूरा कर लेगी।

(ख) ताजे आकड़ों के मुताबिक अब तक ६५,४८२ लोगों से सम्बन्ध रखने-वाली १७,६५२ अर्जियां मंजूर कर ली गई हैं और ५,५०,४९५ लोगों से सम्बन्ध रखने-वाली १,६९,९८४ अर्जियां रद्द कर दी गई हैं ।

Some Hon. Members: In English also please.

Mr. Speaker: Yes.

Shrimati Lakshmi Menon: (a) The pace of disposal of applications for Ceylon citizenship has considerably increased since the later part of 1956 and it is expected that the work will be completed by the Ceylon Government by August this year.

(b) According to the latest figures available 17,652 applications covering 65,482 persons have been accepted and 1,69,984 applications covering 5,50,495 persons have been rejected, so far.

Shri Shree Narayan Das: May I know whether the Prime Minister of Ceylon while inviting our Prime Minister gave any indication that the question of Stateless persons of Indian origin would be discussed during his visit?

Shrimati Lakshmi Menon: The purpose of the visit is well known. It is to open a township in Anuradhapura and to participate in the Buddha Jayanti celebrations and not to discuss the question of citizenship.